

महर्षिवाल्मीकिसंस्कृतविश्वविद्यालयः, मौनधारा (मून्डडी), कपिष्ठलम् (कैथल)  
कक्षा - शास्त्री  
विषयः - संस्कृतपत्रकारिता

पत्रकारिता के उद्देश्य

1. जनता की इच्छाओं, विचारों को समझना और उन्हें व्यक्त करना ।
2. जनता में वांछनीय भावनाएं जागृत करना ।
3. समाज के सार्वजनिक दोषों को दूर करना ।
4. समाज को नई-नई जानकारीयाँ उपलब्ध कराना ।
5. धार्मिक एवं सांस्कृतिक पक्षों का निष्पक्ष विवेचन करना ।
6. सरकारी नीतियों का विश्लेषण और प्रसारण करना ।
7. स्वास्थ्य जगत के प्रति लोगों को सतर्क करना ।
8. संकटकालीन स्थितियों में राष्ट्र का मनोबल बढ़ाना ।
9. कृषि जगत और उद्योग जगत की उपलब्धियाँ जनता के सामने लाना ।
10. समाज को उचित दिशा निर्देश देना और स्वस्थ मनोरंजन की सामग्री उपलब्ध कराना ।
11. वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना का प्रसार करना ।

**कक्षा- शास्त्री**  
**विषय - संस्कृतपत्रकारिता**  
**संस्कृतपत्रकारितायाः उद्भवः विकासश्च**

सत्रार्द्धम् : प्रथमम्

पत्रम् : पञ्चमम्

| विषयः<br>कूटाङ्कः | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थाः- संस्कृतपत्रकारितायाः उद्भवः विकासश्च   | पूर्णाङ्काः | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|---|-------------|----------|-------------|
| SC(SPL)-<br>1.5.7 | 5                        |       | <b>पाठ्यांशः</b>  | १००         | १० होराः | ०६          |
|                   |                          | १     | प्राचीनकाले सम्प्रेषणम्, विश्वे भारते च पत्रकारितायाः उदयः  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | २     | प्रेस- अधिनियमः पत्रिकापञ्जीयनप्रक्रिया च, प्राक्स्वातन्त्रं स्वातन्त्र्योत्तर-<br>विश्वपत्रकारितायाः उदयः  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ३     | आधुनिकसंस्कृतपत्रकारिता   | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ४     | प्रयोगिकम्  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ५     | प्रयोगिकम्  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ६     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्काः ०५<br>२. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५<br>३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५<br>४. उपस्थितिः अङ्काः ०५<br><br>७५% = ०१ अङ्कः<br>७६%-८०% = ०२ अङ्काः<br>८१%-८५% = ०३ अङ्काः<br>८६%-९०% = ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २०          | १५ होराः | १           |

सहायक पुस्तकानि-

- |                                     |   |  |
|-------------------------------------|---|--|
| 1. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता     | : | जय भारती प्रकाशन इलाहाबाद                |
| 2. संचार से जनसंचार                 | : | श्री नटराज प्रकाशन दिल्ली                |
| 3. जनसंचार                          | : | हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला           |
| 4. संचार सिद्धान्त की रूपरेखा       | : | के.एल.पचौरी प्रकाशन                      |
| 5. सम्प्रेषण प्रतिरूप एवं सिद्धान्त | : | भारती पब्लिसर्ज एवं डिस्ट्रीब्यूटर इलाहा |

**कक्षा- शास्त्री**  
**विषय - संस्कृतपत्रकारिता**  
**पत्रकारितायाः स्वरूपं विकासश्च**

सत्रार्द्धम् : प्रथमम्

पत्रम् : षष्ठम्

| विषयः<br>कूटाङ्कः | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थाः- पत्रकारितायाः स्वरूपं विकासश्च   | पूर्णाङ्काः                                      | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|---|--|----------|-------------|
| SC(SPL)-<br>1.6.7 | 6                        |       | <b>पाठ्यांशः</b>  | १००  | १० होराः | ६           |
|                   |                          | १     | अर्थः स्वरूपं दायित्वञ्च  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | २     | पत्रकारितायां भाषाणां भूमिका  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ३     | साहित्यिकं सांस्कृतिकञ्च स्वरूपम्   | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ४     | प्रायोगिकम् (P.P.T)   | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ५     | प्रयोगिकम् (VIDEO)  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ६     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम्<br>२. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या<br>३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च<br>४. उपस्थितिः<br><br>७५% = ०१ अङ्कः<br>७६%-८०% = ०२ अङ्काः<br>८१%-८५% = ०३ अङ्काः<br>८६%-९०% = ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५ | २०       | १५ होराः    |

सहायकपुस्तकानि-

- |                                     |   |   |
|-------------------------------------|---|---|
| 1. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता     | : | जय भारती प्रकाशन इलाहाबाद                   |
| 2. संचार से जनसंचार                 | : | श्री नटराज प्रकाशन दिल्ली                   |
| 3. जनसंचार                          | : | हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला              |
| 4. संचार सिद्धान्त की रूपरेखा       | : | के.एल.पचौरी प्रकाशन                         |
| 5. सम्प्रेषण प्रतिरूप एवं सिद्धान्त | : | भारती पब्लिसर्ज एवं डिस्ट्रीब्यूटर इलाहाबाद |

**कक्षा- शास्त्री**  
**विषय - संस्कृतपत्रकारिता**  
**चलचित्रनिर्माणम् -1**

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : पञ्चमम्

| विषयः<br>कूटाङ्कः | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थाः- चलचित्रनिर्माणम् -1   | पूर्णाङ्काः                                      | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|--|--|----------|-------------|
| SC(SPL)-<br>2.5.7 | 5                        |       | पाठ्यांशः  | १००  | १० होराः | ६           |
|                   |                          | १     | चलचित्रविषयचयनप्रक्रिया  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | २     | कथाप्रवाहलेखनम्  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ३     | यन्त्राणां तन्त्रांशानां च परिचयः  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ४     | प्रायोगिकम् – चत्वारि चलचित्राणि निर्मातव्यानि   | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ५     | प्रायोगिकम् – चत्वारि चलचित्राणि निर्मातव्यानि   | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ६     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१.आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम्<br>२.शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या<br>३.शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च<br>४.उपस्थितिः<br><br>७५%= ०१ अङ्कः<br>७६%-८०%= ०२ अङ्कौ<br>८१%-८५%= ०३ अङ्काः<br>८६%-९०%= ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५ | २०       | १५ होराः    |

सहायक पुस्तकानि-

- |                                     |   |   |
|-------------------------------------|---|---|
| 1. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता     | : | जय भारती प्रकाशन इलाहाबाद                   |
| 2. संचार से जनसंचार                 | : | श्री नटराज प्रकाशन दिल्ली                   |
| 3. जनसंचार                          | : | हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला              |
| 4. संचार सिद्धान्त की रूपरेखा       | : | के.एल.पचौरी प्रकाशन                         |
| 5. सम्प्रेषण प्रतिरूप एवं सिद्धान्त | : | भारती पब्लिसर्ज एवं डिस्ट्रीब्यूटर इलाहाबाद |

**कक्षा- शास्त्री**  
**विषय - संस्कृतपत्रकारिता**  
**संस्कृतपत्रकारितायाः समस्याः समाधानानि च**

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : षष्ठम्

| विषयः<br>कूटाङ्कः | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थाः – संस्कृतपत्रकारितायाः समस्याः समाधानानि च   | पूर्णाङ्काः                                      | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|--|--|----------|-------------|
| SC(SPL)-<br>2.6.7 | 6                        |       | <b>पाठ्यांशः</b>   | १००  | ९० होराः | ०६          |
|                   |                          | १     | संस्कृतपत्रकारिताक्षेत्रे वर्तमानसमस्याः   | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | २     | समस्यानां परिहाराय कृतप्रयत्नाः  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ३     | सम्भावितसमाधानानि  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ४     | प्रायोगिकम्  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ५     | प्रायोगिकम्  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ६     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम्<br>२. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या<br>३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च<br>४. उपस्थितिः<br><br>७५% = ०१ अङ्कः<br>७६%-८०% = ०२ अङ्कौ<br>८१%-८५% = ०३ अङ्काः<br>८६%-९०% = ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५ | २०       | १५ होराः    |

सहायक पुस्तकानि-

1. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता : जय भारती प्रकाशन इलाहाबाद
2. संचार से जनसंचार : श्री नटराज प्रकाशन दिल्ली
3. जनसंचार : हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला
4. संचार सिद्धान्त की रूपरेखा : के.एल.पचौरी प्रकाशन
5. सम्प्रेषण प्रतिरूप एवं सिद्धान्त : भारती पब्लिसर्ज एवं डिस्ट्रीब्यूटर इलाहाबाद

**कक्षा- शास्त्री**  
**विषय - संस्कृतपत्रकारिता**  
**चलचित्रनिर्माणम् -2**

सत्रार्द्धम् : तृतीयम्

पत्रम् : पञ्चमम्

| विषयः<br>कूटाङ्कः | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थाः- चलचित्रनिर्माणम् -2   | पूर्णाङ्काः                                      | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|--|--|----------|-------------|
| SC(SPL)-<br>3.5.7 | 5                        |       | <b>पाठ्यांशः</b>   | १००  | १० होराः | ६           |
|                   |                          | १     | अभिनयः   | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | २     | चलचित्रिकरणस्य नियमाः  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ३     | निर्देशनम्   | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ४     | प्रायोगिकम्  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ५     | प्रायोगिकम्  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ६     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१.आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम्<br>२.शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या<br>३.शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च<br>४.उपस्थितिः<br><br>७५%= ०१ अङ्कः<br>७६%-८०%= ०२ अङ्कौ<br>८१%-८५%= ०३ अङ्काः<br>८६%-९०%= ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५ | २०       | १५ होराः    |

सहायक पुस्तकानि-

- |                                     |   |   |
|-------------------------------------|---|---|
| 1. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता     | : | जय भारती प्रकाशन इलाहाबाद                   |
| 2. संचार से जनसंचार                 | : | श्री नटराज प्रकाशन दिल्ली                   |
| 3. जनसंचार                          | : | हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला              |
| 4. संचार सिद्धान्त की रूपरेखा       | : | के.एल.पचौरी प्रकाशन                         |
| 5. सम्प्रेषण प्रतिरूप एवं सिद्धान्त | : | भारती पब्लिसर्ज एवं डिस्ट्रीब्यूटर इलाहाबाद |

**कक्षा- शास्त्री**  
**विषय - संस्कृतपत्रकारिता**  
**सञ्चारः स्वरूपं सिद्धान्तश्च**

सत्रार्द्धम् : तृतीयम्

पत्रम् : षष्ठम्

| विषयः<br>कूटाङ्कः | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थाः- सञ्चारः - स्वरूपं सिद्धान्तश्च  | पूर्णाङ्काः                                      | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|--|--|----------|-------------|
| SC(SPL)-<br>3.6.7 | 6                        |       | <b>पाठ्यांशः</b>   | १००  | १० होराः | ६           |
|                   |                          | १     | सञ्चारस्य भूमिका   | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | २     | पत्रकारितायाः ऐतिह्यम्   | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ३     | जनसञ्चारमाध्यमानां प्रबन्धनम्  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ४     | प्रायोगिकम्  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ५     | प्रायोगिकम्  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ६     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम्<br>२. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या<br>३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च<br>४. उपस्थितिः<br><br>७५% = ०१ अङ्कः<br>७६%-८०% = ०२ अङ्कौ<br>८१%-८५% = ०३ अङ्काः<br>८६%-९०% = ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५ | २०       | १५ होराः    |

सहायक पुस्तकानि-

- |                                     |   |   |
|-------------------------------------|---|---|
| 1. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता     | : | जय भारती प्रकाशन इलाहाबाद                   |
| 2. संचार से जनसंचार                 | : | श्री नटराज प्रकाशन दिल्ली                   |
| 3. जनसंचार                          | : | हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला              |
| 4. संचार सिद्धान्त की रूपरेखा       | : | के.एल.पचौरी प्रकाशन                         |
| 5. सम्प्रेषण प्रतिरूप एवं सिद्धान्त | : | भारती पब्लिसर्ज एवं डिस्ट्रीब्यूटर इलाहाबाद |

**कक्षा- शास्त्री**  
**विषय - संस्कृतपत्रकारिता**  
**सर्वेक्षणम्**

सत्रार्द्धम् : चतुर्थम्

पत्रम् : पञ्चमम्

| विषयः<br>कूटाङ्कः | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थाः- सर्वेक्षणम्   | पूर्णाङ्काः | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|--|-------------|----------|-------------|
| SC(SPL)-<br>4.5.7 | 5                        |       | पाठ्यांशः  | १००         | १० होराः | ६           |
|                   |                          | १     | संस्कृतपत्राणाम् आरम्भः, संस्कृतपत्रकारितायाः केन्द्राणि, संस्कृतपत्रकाराणां सर्वेक्षणम्   | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | २     | दैनिक- साप्ताहिक- पाक्षिकपत्रिकाः  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ३     | मासिक- द्वैमासिक- त्रैमासिक- अन्यायन्याश्च   | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ४     | प्रायोगिकम्  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ५     | प्रायोगिकम्  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ६     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्काः ०५<br>२. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५<br>३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५<br>४. उपस्थितिः अङ्काः ०५<br><br>७५% = ०१ अङ्कः<br>७६%-८०% = ०२ अङ्कौ<br>८१%-८५% = ०३ अङ्काः<br>८६%-९०% = ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २०          | १५ होराः | १           |

सहायक पुस्तकानि-

- |                                     |   |   |
|-------------------------------------|---|---|
| 1. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता     | : | जय भारती प्रकाशन इलाहाबाद                   |
| 2. संचार से जनसंचार                 | : | श्री नटराज प्रकाशन दिल्ली                   |
| 3. जनसंचार                          | : | हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला              |
| 4. संचार सिद्धान्त की रूपरेखा       | : | के.एल.पचौरी प्रकाशन                         |
| 5. सम्प्रेषण प्रतिरूप एवं सिद्धान्त | : | भारती पब्लिसर्ज एवं डिस्ट्रीब्यूटर इलाहाबाद |



**कक्षा- शास्त्री**  
**विषय - संस्कृतपत्रकारिता**  
**आकाशवाणीदूरदर्शनयोःसंस्कृतवार्ता**

सत्रार्द्धम् : चतुर्थम्

पत्रम् : षष्ठम्

| विषयः<br>कूटाङ्कः | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थाः- आकाशवाणीदूरदर्शनयोःसंस्कृतवार्ता  | पूर्णाङ्काः                                      | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|--|--|----------|-------------|
| SC(SPL)-<br>4.6.7 | 6                        |       | <b>पाठ्यांशः</b>   | १००  | ९० होराः | ६           |
|                   |                          | १     | आकाशवाण्यां वार्ताप्रसारणम्  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | २     | दूरदर्शने वार्ताप्रसारणम्  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ३     | वार्तावलीवैशिष्ट्यम्   | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ४     | प्रायोगिकम्  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ५     | प्रायोगिकम्  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ६     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१.आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम्<br>२.शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या<br>३.शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च<br>४.उपस्थितिः<br><br>७५%= ०१ अङ्कः<br>७६%-८०%= ०२ अङ्कौ<br>८१%-८५%= ०३ अङ्काः<br>८६%-९०%= ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५ | २०       | १५ होराः    |

सहायक पुस्तकानि-

- |                                     |   |   |
|-------------------------------------|---|---|
| 1. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता     | : | जय भारती प्रकाशन इलाहाबाद                   |
| 2. संचार से जनसंचार                 | : | श्री नटराज प्रकाशन दिल्ली                   |
| 3. जनसंचार                          | : | हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला              |
| 4. संचार सिद्धान्त की रूपरेखा       | : | के.एल.पचौरी प्रकाशन                         |
| 5. सम्प्रेषण प्रतिरूप एवं सिद्धान्त | : | भारती पब्लिसर्ज एवं डिस्ट्रीब्यूटर इलाहाबाद |

**कक्षा- शास्त्री**  
**विषय - संस्कृतपत्रकारिता**  
**जनसम्पर्कस्य आयामाः**

सत्रार्द्धम् : पञ्चमम्

पत्रम् : पञ्चमम्

| विषयः<br>कूटाङ्कः | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थाः- जनसम्पर्कस्य आयामाः   | पूर्णाङ्काः | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|--|-------------|----------|-------------|
| SC(SPL)-<br>5.5.7 | 5                        |       | <b>पाठ्यांशः</b>   | १००         | ९० होराः | ६           |
|                   |                          | १     | लेखनसिद्धान्ताः  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | २     | अभिव्यक्तिबिन्दवः  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ३     | लेखप्रकाराः  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ४     | प्रायोगिकम्  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ५     | प्रायोगिकम्  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ६     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्काः ०५<br>२. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५<br>३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५<br>४. उपस्थितिः अङ्काः ०५<br><br>७५% = ०१ अङ्कः<br>७६%-८०% = ०२ अङ्कौ<br>८१%-८५% = ०३ अङ्काः<br>८६%-९०% = ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २०          | १५ होराः | १           |

सहायकपुस्तकानि-

- |                                  |   |   |
|----------------------------------|---|---|
| 1. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता  | : | जय भारती प्रकाशन इलाहाबाद                   |
| 2. संचार से जनसंचार              | : | श्री नटराज प्रकाशन दिल्ली                   |
| 3. जनसंचार                       | : | हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला              |
| 4. संचार सिद्धान्त की रूपरेखा    | : | के.एल.पचौरी प्रकाशन                         |
| सम्प्रेषण प्रतिरूप एवं सिद्धान्त | : | भारती पब्लिसर्ज एवं डिस्ट्रीब्यूटर इलाहाबाद |

**कक्षा- शास्त्री**  
**विषय - संस्कृतपत्रकारिता**  
**आधुनिकपत्रकारिताया स्वरूपं प्रभावश्च**

सत्रार्द्धम् : पञ्चमम्

पत्रम् : षष्ठम्

| विषयः<br>कूटाङ्कः | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थाः- आधुनिकपत्रकारिताया स्वरूपं प्रभावश्च  | पूर्णाङ्काः | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|--|-------------|----------|-------------|
| SC(SPL)-<br>5.6.7 | 6                        |       | <b>पाठ्यांशः</b>   | १००         | १० होराः | ६           |
|                   |                          | १     | समाजःआधुनिकपत्रकारिता च,दृष्टिःपरिणामश्च   | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | २     | सुधर्मा, गाण्डीवम्, संस्कृतसंवादः, विश्वस्य वृत्तान्तम्, संस्कृतवर्तमानपत्रम्, काशीविद्यासुधानिधिः सम्भाषणसंदेशः, संस्कृतवाणी, संस्कृतचन्द्रिका संस्कृतरत्नाकरः आरम्भिक स्वरूपम्।  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ३     | उद्देश्यानि, अन्तिमाङ्काश्च  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ४     | प्रायोगिकम्  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ५     | प्रायोगिकम्  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ६     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१.आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्काः ०५<br>२.शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५<br>३.शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५<br>४.उपस्थितिः अङ्काः ०५<br><br>७५%= ०१ अङ्कः<br>७६%-८०%= ०२ अङ्कौ<br>८१%-८५%= ०३ अङ्काः<br>८६%-९०%= ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २०          | १५ होराः | १           |

सहायक पुस्तकानि-

1. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता : जय भारती प्रकाशन इलाहाबाद
2. संचार से जनसंचार : श्री नटराज प्रकाशन दिल्ली
3. जनसंचार : हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला
4. संचार सिद्धान्त की रूपरेखा : के.एल.पचौरी प्रकाशन
- सम्प्रेषण प्रतिरूप एवं सिद्धान्त : भारती पब्लिसर्ज एवं डिस्ट्रीब्यूटर इलाहाबाद

**कक्षा- शास्त्री**  
**विषय - संस्कृतपत्रकारिता**  
**सूचनाप्रौद्योगिकी एवं ग्रामीणविकासः**

सत्रार्द्धम् : षष्ठम्

पत्रम् : पञ्चमम्

| विषयः<br>कूटाङ्कः | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थाः- सूचनाप्रौद्योगिकी एवं ग्रामीणविकासः   | पूर्णाङ्काः | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|--|-------------|----------|-------------|
| SC(SPL)-<br>6.5.7 | 5                        |       | <b>पाठ्यांशः</b>   | १००         | १० होराः | ६           |
|                   |                          | १     | भारते ग्रामीणविकासयोजनाः   | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | २     | सूचनाप्रौद्योगिक्याः ग्रामीणविकासेन सह सम्बन्धः  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ३     | ग्रामीणसमाजे प्रभावः   | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ४     | प्रायोगिकम्  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ५     | प्रायोगिकम्  | १६          | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ६     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्काः ०५<br>२. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५<br>३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५<br>४. उपस्थितिः अङ्काः ०५<br><br>७५% = ०१ अङ्कः<br>७६%-८०% = ०२ अङ्कौ<br>८१%-८५% = ०३ अङ्काः<br>८६%-९०% = ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २०          | १५ होराः | १           |

सहायक पुस्तकानि-

- |                                     |   |   |
|-------------------------------------|---|---|
| 1. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता     | : | जय भारती प्रकाशन इलाहाबाद                   |
| 2. संचार से जनसंचार                 | : | श्री नटराज प्रकाशन दिल्ली                   |
| 3. जनसंचार                          | : | हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला              |
| 4. संचार सिद्धान्त की रूपरेखा       | : | के.एल.पचौरी प्रकाशन                         |
| 5. सम्प्रेषण प्रतिरूप एवं सिद्धान्त | : | भारती पब्लिसर्ज एवं डिस्ट्रीब्यूटर इलाहाबाद |

**कक्षा- शास्त्री**  
**विषय - संस्कृतपत्रकारिता**  
**भारतीयवाङ्मये पत्रकारिता**

सत्रार्द्धम् : षष्ठम्

पत्रम् : षष्ठम्

| विषय-<br>कूटाङ्कः | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थाः- भारतीयवाङ्मये पत्रकारिता  | पूर्णाङ्काः                                      | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|--|--|----------|-------------|
| SC(SPL)-<br>6.6.7 | 6                        |       | <b>पाठ्यांशः</b>   | १००  | ९० होराः | ६           |
|                   |                          | १     | वेदेषु पत्रकारितातत्त्वम् (सरमा-पणि संवादादयः)   | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | २     | पुराणेषु पत्रकारितातत्त्वम्  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ३     | लौकिकसंस्कृतसाहित्येषु पत्रकारितातत्त्वम्  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ४     | प्रायोगिकम्  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ५     | प्रायोगिकम्  | १६   | १५ होराः | १           |
|                   |                          | ६     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम्<br>२. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या<br>३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च<br>४. उपस्थितिः<br><br>७५%= ०१ अङ्कः<br>७६%-८०%= ०२ अङ्कौ<br>८१%-८५%= ०३ अङ्काः<br>८६%-९०%= ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५ | २०       | १५ होराः    |

सहायक पुस्तकानि-

- |                                     |   |   |
|-------------------------------------|---|---|
| 1. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता     | : | जय भारती प्रकाशन इलाहाबाद                   |
| 2. संचार से जनसंचार                 | : | श्री नटराज प्रकाशन दिल्ली                   |
| 3. जनसंचार                          | : | हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला              |
| 4. संचार सिद्धान्त की रूपरेखा       | : | के.एल.पचौरी प्रकाशन                         |
| 5. सम्प्रेषण प्रतिरूप एवं सिद्धान्त | : | भारती पब्लिसर्ज एवं डिस्ट्रीब्यूटर इलाहाबाद |